

प्रधानमंत्री की 'मन की बात' कार्यक्रम : किशोर विद्यार्थियों की अभिप्रेरणा और पर्यावरण जागरूकता

सीमा बानू¹, डॉ. चंद्रकांत शर्मा²

¹शोधार्थी, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)

²शोध निर्देशक, (प्राचार्य), अरावली टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)

सारांश-

प्रस्तुत शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य किशोर विद्यार्थियों में पर्यावरण जागरूकता का हेतु अभिप्रेरणा का पता लगाना है। वर्तमान परिदृश्य में पर्यावरण प्रदूषण एक गंभीर समस्या बनी हुई है। इस वैश्विक युग में मानवीय विकास का सबसे बड़ा अवरोधक पर्यावरण प्रदूषण है। जिसका जिम्मेदार स्वयं मानव समुदाय है। विकास की इस अंधी दौड़ में मानव अपने स्वार्थी हित संरक्षण में प्रकृति को निरंतर हानि पहुंचा रहा है। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेकों प्रयास किया जा रहे हैं। इसी दिशा में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा संचालित किया गया 'मन की बात' कार्यक्रम एक परिवर्तनकारी पहल है। किशोर बालक एवं युवा देश के विकास, संस्कृति तथा सामाजिक संबंधों की रीढ़ माने जाते हैं। भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्हें सही दिशा, प्रेरणा, शिक्षा तथा सशक्तिकरण देने की आवश्यकता है, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें।

मुख्य शब्द (Keywords)- मन की बात, पर्यावरण जागरूकता, परिवर्तनकारी पहल, अवश्यंभावी, प्रेरणादायक सशक्तिकरण, पर्यावरण साक्षरता, नवीकरणीय ऊर्जा

प्रस्तावना-

पर्यावरण हमारी प्रकृति, पारिस्थितिक तंत्र एवं मनुष्य के बीच सामंजस्य स्थापित करने की एक प्रक्रिया है, जिसके बिना मनुष्य जीवन संभव नहीं है। पर्यावरण ही हमें शुद्ध हवा एवं पानी देता है। हमारी प्रकृति ही हमारे भोजन एवं औषधि का स्रोत है। पर्यावरण हमारी जलवायु को संतुलित रखता है तथा

जीवों के लिए जीवन संभव बनाता है। यह पर्यावरण ही हमारे जीवन का आधार है। यदि हम इसे हानि पहुंचाते हैं तो उसका सीधा प्रभाव हमारे स्वास्थ्य एवं भविष्य पर पड़ता है, इसीलिए इसे स्वच्छ एवं सुरक्षित रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पर्यावरण साक्षरता सतत विकास का एक महत्वपूर्ण भाग है। नागरिकों को पर्यावरण शिक्षा एवं जागरूकता के बारे में सूचित किया जाना आवश्यक नहीं बल्कि अवश्यमभावी है। जिसके लिए केवल वयस्कों को ही नहीं बल्कि हर आयु वर्ग के व्यक्ति को इसकी जानकारी दी जानी चाहिए। किशोर बालक हमारे राष्ट्र के भावी नागरिक हैं, उन्हें पर्यावरणीय शिक्षा देना एवं समय-समय पर उन्हें पर्यावरण को सुरक्षित एवं स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। जिसकी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का "मन की बात कार्यक्रम" है। जिसके माध्यम से वे पर्यावरण संरक्षण हेतु किशोर और युवाओं को समय-समय पर प्रेरित करने का कार्य कर रहे हैं। जो छोटे व्यक्तिगत प्रयासों को राष्ट्रीय आंदोलन में रूप में बदल रहा है। पृथ्वी पर मानव जीवन का अस्तित्व तभी संभव है, जब पर्यावरण संरक्षण हेतु सरकार एवं देश के नागरिक मिलकर कार्य करें।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारम्भ किया गया "मन की बात" कार्यक्रम आज न केवल एक श्रव्य संवाद रह गया है, अपितु यह देश के किशोरों एवं युवाओं के लिए अभिप्रेरणा का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है।

प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात कार्यक्रम में स्वच्छ भारत अभियान, एक पेड़ मां के नाम अभियान, मैंग्रोव वृक्षारोपण, वन्यजीव एवं जैव विविधता संरक्षण, मिशन लाइफ, प्लास्टिक प्रदूषण तथा कचरा प्रबंधन, अरावली हरित दीवार परियोजना आदि विषयों पर चर्चा की गई है तथा भारत के नागरिकों एवं युवाओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए किए गए कार्य से किशोरों और युवाओं को अवगत करवाया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री द्वारा समय-समय पर शिक्षा, स्वच्छता, जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा, नवाचार, आत्मनिर्भरता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों भी पर चर्चा की गयी है। विशेष रूप से किशोर छात्रों के लिए यह कार्यक्रम सकारात्मक सोच, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक चेतना विकसित करने में सहायक सिद्ध हो रहा है। किशोरावस्था व्यक्ति के जीवन का वह चरण है जिसमें उसके व्यक्तित्व, विचार और व्यवहार का निर्माण होता है। 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा देश के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं, छात्रों और सामान्य नागरिकों के अनुभव साझा किये जाते हैं। इन प्रेरणादायक उदाहरणों से देश की भावी पीढ़ी में आत्मविश्वास, मेहनत और नवाचार की भावना विकसित हो रही है। प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम किशोरों एवं युवाओं में पर्यावरण जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण, स्वच्छ भारत अभियान, प्लास्टिक मुक्त भारत, वृक्षारोपण तथा "Lifestyle for Environment (LiFE)" जैसे

अनेक अभियानों को प्रारंभ कर देश के नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित किया है। “एक पेड़ माँ के नाम” जैसे अभियान किशोरों और युवओं में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना उत्पन्न करते हैं। विद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में प्रधानमंत्री की ‘मन की बात’ कार्यक्रम सुनने की सामूहिक व्यवस्था भी विद्यार्थियों के बीच सामाजिक एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा को बढ़ावा देती है। जो छात्रों में नेतृत्व क्षमता, सामुदायिक सहभागिता और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का विकास करने में सहायक है। पृथ्वी पर मानव जीवन का अस्तित्व तभी संभव है जब पर्यावरण संरक्षण हेतु सरकार एवं देश के नागरिक मिलकर कार्य करें।

शुचिपर्यावरणम्, दुर्वहमत्र जीवितं जातम् । प्रकृतिरेव शरणम् ॥”

अर्थात् पर्यावरण की स्वच्छता आवश्यक है, यहाँ प्रदूषित वातावरण में जीवन जीना कठिन हो गया है। अब प्रकृति ही एकमात्र शरण है।

प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम में पर्यावरण जागरूकता हेतु की गई चर्चाएं-

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात कार्यक्रम' की अनेक कड़ियों में पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया गया है, जिसमें 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान, गुजरात के कच्छ में मैंग्रोव वृक्षारोपण एवं 'मिशन लाइफ' के अंतर्गत सतत् जीवनशैली के महत्व की चर्चा प्रमुख है। इसके अलावा उन्होंने वन्यजीव संरक्षण (चीतों की वापसी) तथा जल संरक्षण के प्रयासों की सराहना की है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस पर नई दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पीपल का पौधा लगाकर इस जन-अभियान का शुभारंभ किया गया था। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को अपनी माँ के प्रति प्रेम एवं कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ-साथ पर्यावरण को हरा-भरा तथा सुरक्षित बनाने के लिए प्रेरित करना है। 'मन की बात' कार्यक्रम में पर्यावरण से संबंधित इस जन-अभियान की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा सराहना की गयी एवं उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत देश में 200 करोड़ से अधिक पेड़ लगाए जा चुके हैं।

मैंग्रोव वृक्षारोपण (MISHTI) - Mangrove Initiative for Shoreline Habitats & Tangible Incomes- प्रधानमंत्री द्वारा देश के तटीय क्षेत्रों में मैंग्रोव वनस्पति के संरक्षण एवं रोपण हेतु मिस्टी योजना प्रारंभ की गई है। प्रधानमंत्री द्वारा गुजरात के कच्छ जिले एवं कोरी क्रीक ज्वारीय खाड़ी में मैंग्रोव लर्निंग सेंटर की स्थापना करने एवं वृक्षारोपण को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। मैंग्रोव वृक्ष समुद्र

के खारे पानी में उगते हैं ये वृक्ष ही समुद्र तट के रक्षक हैं। मैंग्रोव वृक्ष सुनामी तथा साइक्लोन जैसी आपदाएं आने पर हमारी रक्षा करते हैं। मैंग्रोव वृक्षारोपण

अभियान का मुख्य उद्देश्य भारत की विशाल तटरेखा पर मैंग्रोव वनों का व्यापक तथा विस्तृत वृक्षारोपण करना, तटीय पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करना, समुद्री तटीय क्षेत्रों में मृदा अपरदन को रोकना एवं स्थानीय समुदायों के लिए स्थायी आजीविका के अवसर पैदा करना है।

वन्यजीव और जैव विविधता संरक्षण- प्रधानमंत्री द्वारा 'मन की बात कार्यक्रम' में भारत में चीतों को वापस लाने तथा बाघों के संरक्षण के माध्यम से पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने की बात की गई है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लुप्तप्राय प्रजातियों को बचाना तथा प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को दृढ़ बनाना है।

मिशन लाइफ (Lifestyle for Environment)- यह जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया एक वैश्विक जन आंदोलन है। प्रधानमंत्री द्वारा लोगों को पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने जैसे- जल संरक्षण, बिजली की बचत तथा एकल-उपयोग प्लास्टिक का कम उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

पारंपरिक ज्ञान- प्रधानमंत्री द्वारा जल संरक्षण हेतु जल शक्ति और पारंपरिक तरीकों को अपनाने का संदेश दिया गया है क्योंकि मानव के लिए ही नहीं बल्कि पेड़ पौधों के विकास के लिए जल अत्यंत आवश्यक है।

स्वच्छ भारत अभियान- प्रधानमंत्री द्वारा लखनऊ की गोमती नदी की सफाई करने वाले लोगों तथा भोपाल के नागरिकों द्वारा सार्वजनिक पार्कों की सफाई जैसे उदाहरणों के माध्यम से जन-भागीदारी को बढ़ावा दिया गया।

स्वच्छ और हरित भारत - यह प्रधानमंत्री का एक ऐसा दृष्टिकोण है जो देश को कचरा-मुक्त, हरा-भरा और पर्यावरण के अनुकूल बनाने पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छ(सफाई तथा कचरा प्रबंधन) और हरित भारत(वनीकरण एवं नवीकरणीय ऊर्जा) के लक्ष्य के साथ स्थानीय स्तर पर वृक्षारोपण तथा वर्षा जल संचयन की पहल को प्रोत्साहित किया गया।

आत्मनिर्भरता एवं प्रकृति- 'वेस्ट टू वेल्थ'(कचरे से कंचन) ठोस तथा तरल अपशिष्ट को मूल्यवान संसाधनों (ऊर्जा, खाद, ईट) में बदलना तथा जैव विविधता के संरक्षण पर जोर देते हुए, प्रधानमंत्री द्वारा पारंपरिक ज्ञान के माध्यम से प्रकृति संरक्षण को महत्व दिया गया।

सौर ऊर्जा (पीएम सूर्यघर योजना)- प्रधानमंत्री ने घरों, उद्योगों एवं व्यवसाय में सोलर पैनल के उपयोग से ऊर्जा संकट को कम करने और पर्यावरण को बचाने में सौर ऊर्जा उद्यमियों की भूमिका को सराहा।

पर्यावरण संरक्षण एक जन आंदोलन-

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से पर्यावरण की रक्षा के लिए 'P-3' (Pro, Planet, People) दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। P3 की अवधारणा का अर्थ है "पर्यावरण के अनुकूल" अर्थात् लोगों के लिए और लोगों द्वारा ग्रह की रक्षा। उन्होंने ने नागरिकों को 'यह लो, बनाओ, इस्तेमाल करो और फेंको' (take-make-use-dispose) वाली उपभोगवादी संस्कृति को परिवर्तित कर 'चक्रीय अर्थव्यवस्था' को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

प्लास्टिक प्रदूषण तथा कचरा प्रबंधन- प्रधानमंत्री द्वारा 2025 के दौरान प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने तथा कचरा प्रबंधन के लिए "3R" (Reduce, Reuse, Recycle) सिद्धांत को अपनाने पर जोर दिया गया है। बायो-सीएनजी, ई-कचरा, पुनर्चक्रण जैसे विकल्पों को अपनाने पर विशेष आग्रह गया है।

हरित ऊर्जा एवं विकास- माननीय श्री प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छ और हरित पर्यावरण के लिए नवीकरणीय ऊर्जा तथा प्रदूषण नियंत्रण के उपायों पर चर्चा की गई।

अरावली हरित दीवार परियोजना- प्रधानमंत्री द्वारा दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात में अरावली के आसपास हरित आवरण बढ़ाकर जैव विविधता को बढ़ाने की चर्चा की गई है।

इन कार्यक्रमों के माध्यम से प्रधानमंत्री द्वारा जलवायु में लचीलापन बढ़ाने तथा युवा पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया।

उपरोक्त चर्चाओं के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने पर्यावरण को एक राष्ट्रीय संकल्प के रूप में प्रस्तुत किया है।

प्रधानमंत्री द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु छात्रों को दी गई प्रेरणा-

जनभागीदारी - प्रधानमंत्री द्वारा यह संदेश दिया गया कि पर्यावरण को सरकारी काम के जगह जन आंदोलन बनाया जाए ,जहां आम नागरिक, छात्र तथा स्थानीय निकाय मिलकर हरियाली तथा स्वच्छता के लिए काम कर सकें।

छोटे प्रयासों का महत्व- पर्यावरण संरक्षण के बड़े बदलाव छोटे कदमों से शुरू होते हैं के सिद्धांत के अनुसार प्रधानमंत्री ने कहा कि जब पर्यावरण संरक्षण की बात होती है तब हमारे मन में बड़ी योजनाएं, बड़े अभियान और बड़े-बड़े संगठन की बातें आती हैं लेकिन कई बार बदलाव की शुरुआत बहुत साधारण तरीके से होती है, एक व्यक्ति से, एक क्षेत्र से, एक कदम से और लगातार की गई छोटी-छोटी कोशिशों से भी बड़े बदलाव आते हैं। प्रधानमंत्री अपने मन की बात कार्यक्रम में ऐसे लोगों की प्रेरणादायक कहानियाँ साझा करते हैं जिन्होंने व्यक्तिगत स्तर पर परिवर्तन की पहल की।

स्वच्छता एवं पुनर्चक्रण- 'चेन्नई' और 'बेंगलुरु' जैसे शहरों में लैंडफिल कचरे (घरेलू, औद्योगिक और निर्माण कार्य का मलबा) के पुनर्चक्रण और सार्वजनिक स्थानों की सफाई के अभिनव प्रयासों की सराहना कर वे युवाओं को प्रेरित करते हैं।

सतत् जीवन शैली- प्रधानमंत्री जीवन में संतुलन एवं प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाने पर जोर देते हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण हमारे दैनिक जीवन में एक आदतन व्यवहार बन सके।

स्वच्छता ही सेवा का संदेश- प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम के द्वारा लोगों को अपने आस-पास सफाई रखने और कचरा न फैलाने की शपथ दिलाई, जिससे यह 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' बन सके।

जैव-उर्वरक एवं कीटनाशक- प्रधानमंत्री द्वारा ग्रामीण स्तर पर महिलाओं द्वारा पशु अपशिष्ट और स्थानीय पौधों से जैविक कीटनाशक व उर्वरक बनाने जैसे कार्यों को प्रोत्साहित किया है। यह कार्यक्रम नागरिकों को यह विश्वास दिलाने में सफल रहा है कि उनके छोटे से छोटे प्रयास भी राष्ट्र की प्रगति और पर्यावरण की रक्षा में बड़ा योगदान दे सकते हैं।

प्रकृति के साथ प्रगति- भारत की संस्कृति का उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अर्थव्यवस्था के साथ-साथ प्रकृति का संरक्षण भी जरूरी है, जिसके लिए युवा पीढ़ी का जागरूक होना अनिवार्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान (5 जून 2024) का मुख्य उद्देश्य माताओं के प्रति सम्मान तथा पर्यावरण संरक्षण को जोड़ना है। इसमें हर नागरिक से अपनी माँ के नाम पर या उनकी याद में कम से कम एक पेड़ लगाने और उसकी देखभाल करने का आग्रह किया गया है। जो पर्यावरण संरक्षण में एक महत्वपूर्ण योगदान है।

प्रधानमंत्री श्री माननीय नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में युवाओं और किशोरों को पर्यावरण संरक्षण, विशेषकर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता हेतु नागरिकों के अनुभवों को साझा किया स्थानीय पहल जैसे- पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले के बेनॉय दास अपने गांव में अकेले ही हजारों पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया। मध्यप्रदेश राज्य के पन्ना जिले के जगदीश प्रसाद अहिरवार वनों में पाए जाने वाले सवा सौ से अधिक औषधीय पौधों का एक रिकॉर्ड बनाया जिसके अंतर्गत हर पौधे का चित्र, नाम, उपयोग एवं उसके पाये जाने की जगह की जानकारी दी गई है। उनके इस रिकॉर्ड ने वन विभाग ने संकलित किया एवं उसे एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया। इस किताब में दी गई जानकारी छात्रों एवं वन विभाग के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इस प्रकार के उदाहरणों का उल्लेख कर प्रधानमंत्री द्वारा युवाओं को हरियाली बढ़ाने और स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में प्रधानमंत्री ने युवाओं से आग्रह की कि वे अपनी माँ के सम्मान में

एक पेड़ जरूर लगाएं। प्रधानमंत्री द्वारा यह कहा गया कि आजकल के युवा स्वच्छता और पर्यावरण को लेकर बहुत सजग हैं और इसमें सक्रिय भागीदारी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश राज्य के आजमगढ़ एवं आंध्र प्रदेश राज्य के अनंतपुर जैसे क्षेत्रों में युवाओं द्वारा की गई पर्यावरण संरक्षण की पहल को सराहा। अनंतपुर में पानी की भारी कमी से निपटने के लिए यहां के स्थानीय निवासियों ने मिलकर लगभग दस पुराने उपेक्षित जलाशयों को साफ किया तथा उनकी गंदगी हटाकर उन्हें फिर से जीवित किया। प्रधानमंत्री द्वारा युवाओं को प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर स्वच्छता संकल्प हेतु प्रेरित किया गया। इससे पूर्व भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने मन की बात कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण हेतु किशोर एवं युवाओं को अनेकों प्रेरणादायक संदेश दिये जा चुके हैं।

निष्कर्ष- प्रस्तुत लेख से स्पष्ट होता है कि

वर्तमान समय की पारिस्थितिकी परिस्थितियों से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम के लिए जन-आंदोलन के रूप में कार्य किए जाने की आवश्यकता है। जब तक इस धरा पर निवास करने वाला प्रत्येक मनुष्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक नहीं होगा तब तक पर्यावरण प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या से निजात पाने में हम असमर्थ रहेंगे इसीलिए प्रत्येक मानव का कर्तव्य होना चाहिए कि वह अपने आसपास के क्षेत्र में प्राकृतिक संरचना को बनाए रखने के लिए जो भी संभव हो भसरकस प्रयास करे। प्रकृति की रक्षा के प्रति हमारा उत्साह, सूझबूझ एवं समर्पण न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की सुरक्षा हेतु आवश्यक परिवर्तन लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अंततः प्रकृति संरक्षण में किशोरों एवं युवाओं की भूमिका परिवर्तनकारी तथा महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी द्वारा "मन की बात कार्यक्रम" में विशेष कर किशोर एवं युवाओं को पर्यावरण संरक्षण हेतु कार्य करने के लिए संबोधित किया गया है, क्योंकि किशोर बालक एवं युवा हमारे राष्ट्र के विकास की नई उम्मीद हैं। किशोरों एवं युवाओं की सक्रिय भागीदारी और नेतृत्व पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। रचनात्मक गतिविधियों, तकनीकी नवाचारों, व्यावहारिक ज्ञान, सामुदायिक स्वच्छता अभियानों तथा सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें जागरूक किया जा सकता है। पर्यावरण शिक्षा और प्रकृति के प्रति प्रेम जगाकर उन्हें सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है। हमारे देश का युवा जब हर क्षेत्र में शिक्षित एवं जागरूक होगा तभी देश का विकास संभव है। इसी दिशा में माननीय श्री प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम किशोर विद्यार्थियों एवं युवाओं के लिए प्रेरणादायक सिद्ध हो रहा है।

संदर्भ सूची

1. Kalam, A. P. J. Abdul एवं Rajan, Yagnaswami Sundara. India 2020: A Vision for the New Millennium.
2. Kalam, A. P. J. Abdul. Wings of Fire.
3. तिवारी, डॉ. विजय कुमार. पर्यावरण प्रदूषण. हिमालया पब्लिशिंग, नागपुर।
4. मुखर्जी, सुश्री अंजू. पर्यावरण परिचय. छत्तीसगढ़ राज्य हिंदी ग्रंथ अकादमी, रायपुर।
5. शर्मा, दीप्ति एवं कुमार, महेंद्र. पर्यावरण संरक्षण. अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
6. सिंह, डॉ. मंजू. पर्यावरण प्रबंधन. डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
7. परीक्षा मंथन. पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी. मंथन प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. Kaushik, Anubha. Perspectives of Environmental Studies.
9. Bharucha, Erach. Environmental Studies. Masood Books, Uttar Pradesh.
10. Chauhan, S. S. Advanced Educational Psychology. Vikas Publishing.
11. Hibberd, Matthew. Young People and Climate Change.
12. Garg, Ritu एवं Singh, Kuldeep. (2020). "Need and Significance Mann Ki Baat (Radio Revolution): Narendra Damodardas Modi." International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM), Volume 14, December 2020. ISSN: 2393-8048. वेबसाइट: <https://ijrpr.com>
13. Aishwarya, K. R. एवं Vinay, M. (2025). "The Role of 'Mann Ki Baat' in Enhancing Community Development among Tribal Communities: A Study." International Journal of Research and Scientific Innovation, Volume 12, 03 November 2025. DOI: <https://doi.org/10.51244/IJRSI.2025.1210000052>
14. Prime Minister's Office, Government of India. Mann Ki Baat Archive. वेबसाइट: <https://www.pmindia.gov.in/en/mann-ki-baat/>
15. MyGov India, Government of India. MyGov India. वेबसाइट: <https://www.mygov.in>
16. Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India. Mission LiFE (Lifestyle for Environment). वेबसाइट: <https://missionlife-moefcc.nic.in>
17. National Service Scheme (NSS), Government of India. National Service Scheme. वेबसाइट: <https://nss.gov.in>
18. Ministry of Electronics and Information Technology, Government of India. Digital India Mission. वेबसाइट: <https://www.digitalindia.gov.in>
19. Prasar Bharati, Government of India. All India Radio – Mann Ki Baat. वेबसाइट: <https://prasarbharati.gov.in>
20. Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEFCC), Government of India. Environment Education Programme: Environment Education, Awareness and Training (EEAT). वेबसाइट: <https://moef.gov.in/en/division/environment-education-awareness-and-training-eeat/>
21. Department of Drinking Water and Sanitation, Government of India. Swachh Bharat Mission. वेबसाइट: <https://swachhbharatmission.ddws.gov.in>

22. Ministry of Jal Shakti, Government of India. Department of Water Resources, River Development and Ganga Rejuvenation. वेबसाइट: <https://jalshakti-dowr.gov.in>
23. United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization (UNESCO). Education for Sustainable Development. वेबसाइट: <https://www.unesco.org/en/education/sustainable-development>
24. United Nations Environment Programme (UNEP). Youth and Environment. वेबसाइट: <https://www.unep.org/explore-topics/youth>
25. Ministry of Education, Government of India. Ministry of Education. वेबसाइट: <https://www.education.gov.in>
26. Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, Government of India. Skill India Mission. वेबसाइट: <https://www.skillindia.gov.in>
27. Ek Ped Maa Ke Naam Campaign. वेबसाइट: <https://ekpedmaakenaam.earthday.org>
28. World Health Organization (WHO). Adolescent Health and Development. वेबसाइट: <https://www.who.int/health-topics/adolescent-health>
29. India Water Portal. वेबसाइट: <https://www.indiawaterportal.org>
30. Atal Innovation Mission (AIM), NITI Aayog, Government of India. Atal Innovation Mission. वेबसाइट: <https://aim.gov.in>
31. NITI Aayog, Government of India. Sustainable Development Goals (SDGs). वेबसाइट: <https://www.niti.gov.in/sustainable-development-goals>